वेस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड
एक मिनी रत्न कंपनी

श्री मनोज कुमार
अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक

प्रगति

वेकोलि की त्रैमासिक पत्रिका

टीम वेकोलि ने हर्षोल्लास से मनाया स्वतंत्रता दिवस

वेस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड में 15 अगस्त, 2022 को उत्साह एवं उमंग के साथ "स्वतंत्रता दिवस" समारोह मनाया गया।

अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक श्री मनोज कुमार ने राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा फहराया और वेकोलि सुरक्षा गारद की परेड का निरीक्षण किया। तत्पश्चात, उन्होंने टीम वेकोलि को संबोधित किया। उन्होंने कंपनी के उत्पादन, उत्पादकता, वित्तीय सेहत और सीएसआर की गतिविधियों के बारे में बताया। उन्होंने कर्मियों से आह्वान किया कि देश की उन्नति में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें। आगे उन्होंने कहा कि हमारे लोग, हमारी ताकत हैं, उनका ख्याल रखना हमारी जिम्मेदारी है। उन्होंने कंपनी में नई तकनीक और नए उपकरणों के उपयोग पर बल दिया।

समारोह में निदेशक (कार्मिक) डॉ. संजय कुमार, निदेशक तकनीकी (संचालन) श्री जे. पी. द्विवेदी, निदेशक तकनीकी (योजना एवं परियोजना) श्री ए. के. सिंह, सीवीओ श्री अमित कुमार श्रीवास्तव, श्रमिक संगठनों के प्रतिनिधि, वेकोलि संचालन समिति एवं कल्याण मंडल के सदस्यगण तथा विभागाध्यक्ष प्रमुखता से उपस्थित रहे।

तत्पश्चात, सीएमडी श्री मनोज कुमार एवं अन्य गणमान्यों ने सांस्कृतिक भवन में आयोजित कार्यक्रम में उत्कृष्ट कर्मियों एवं मेधावी बच्चों को शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट अंक लाने और विशिष्ट उपलब्धियों के लिए सम्मानित किया। बेस्ट क्षेत्र के पुरस्कारों की श्रेणी में पेंच क्षेत्र को प्रथम, वणी नॉर्थ एवं चन्द्रपुर क्षेत्र को द्वितीय और उमरेड क्षेत्र को तृतीय पुरस्कार से नवाजा गया। वणी क्षेत्र को विशेष पुरस्कार से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में क्षेत्रीय महाप्रबंधक, विभागाध्यक्ष, अधिकारी और कर्मचारीगण प्रमुखता से उपस्थित रहे। कार्यक्रम में देश भक्ति के गीत प्रस्तुत किये गए। कार्यक्रम का यूट्यूब पर सीधा प्रसारण किया गया जिसे कंपनी के कर्मियों ने बड़ी संख्या में देखा।

वेकोलि को सस्टेनेबिलिटी एवं इआरपी इंप्लीमेंटेशन में

कोल मिनिस्टरर्स अवार्ड

पेंच क्षेत्र के उत्कृष्ट संचालन के लिए महाप्रबंधक श्री निर्मल कुमार को 'कोल मिनिस्टरर्स अवार्ड' से नवाजा गया

Third *in*
ERP IMPLEMENTATION

First *in*
SUSTAINABILITY

B est
AREA GENERAL MANAGER

टीम वेकोलि के लिए 18.08.22 का दिवस उपलब्धियों भरा रहा। नई दिल्ली में आयोजित समारोह में वेकोलि को तीन 'कोल मिनिस्टरर्स अवार्ड 2021-22' प्राप्त हुए। कंपनी द्वारा सस्टेनेबल डेवलपमेंट की दिशा में सकारात्मक कार्यों के लिए, सस्टेनेबिलिटी की श्रेणी में प्रथम पुरस्कार प्राप्त हुआ। इसी प्रकार एंटरप्राइज रिसोर्स प्लानिंग क्रियान्वयन की श्रेणी में वेकोलि को तृतीय पुरस्कार प्राप्त हुआ।

यह पुरस्कार माननीय कोयला, खान एवं संसदीय कार्य मंत्री श्री प्रल्हाद जोशी द्वारा प्रदान किए गए। वेकोलि की ओर से सीएमडी श्री मनोज कुमार ने यह पुरस्कार ग्रहण किए। उनके साथ महाप्रबंधक (पर्यावरण) श्री कौशिक चक्रवर्ती, पेंच क्षेत्र के महाप्रबंधक श्री निर्मल कुमार एवं विभागाध्यक्ष - प्रणाली श्री संचित गुल्ला उपस्थित रहे।

कोल इंडिया लिमिटेड के सर्वोत्कृष्ट संचालित कोयला क्षेत्रों की श्रेणी में पेंच क्षेत्र के उत्कृष्ट संचालन के लिए क्षेत्रीय महाप्रबंधक श्री निर्मल कुमार को 'कोल मिनिस्टरर्स अवार्ड' से नवाजा गया। पेंच क्षेत्र ने वित्तीय वर्ष 21-22 में, गत वर्ष की तुलना में, कोयला उत्पादन में 44% एवं प्रेषण में 52% की वृद्धि हासिल की है। यह पुरस्कार श्री निर्मल कुमार ने माननीय मंत्री श्री प्रल्हाद जोशी के हाथों ग्रहण किया।

अमेरिका में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय खान बचाव प्रतियोगिता में टीम वेकोलि को तृतीय स्थान

रेस्क्यू टीम ने लौट कर की सीएमडी श्री मनोज कुमार से भेंट

अमेरिका, वर्जीनिया में 10 से 16 सितंबर, 2022 तक आयोजित 12 वीं अंतर्राष्ट्रीय खान बचाव प्रतियोगिता-2022 (IMRC - 2022) में वेकोलि की टीम ने खान बचाव कौशल श्रेणी (Mines Rescue Skill Category) में तृतीय स्थान हासिल किया। इस अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिता में वेस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (वेकोलि) की रेस्क्यू टीम ने कोल इंडिया लिमिटेड का प्रतिनिधित्व किया। वेकोलि के विभिन्न क्षेत्रों से 10 कर्मी इस टीम का हिस्सा थे। अंतर्राष्ट्रीय खान बचाव प्रतियोगिता-2022 में 09 देशों की 22 टीमों ने भाग लिया।

जीत के पश्चात, रेस्क्यू टीम ने अमेरिका से लौट कर, दिनांक 26.09.2022 को सीएमडी श्री मनोज कुमार से भेंट की। श्री कुमार ने टीम की प्रशंसा की एवं भविष्य में भी बेहतर प्रदर्शन करने हेतु प्रेरित किया। उन्होंने विश्वास जताया कि इस जीत से कंपनी के रेस्क्यू कर्मियों का मनोबल मजबूत होगा तथा सभी को बेहतर करने की प्रेरणा मिलेगी। टीम से संवाद के दौरान उन्होंने विजेता टीम को अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिता के अनुभव को सभी के साथ साझा करने को कहा।

भेंट के दौरान निदेशक तकनीकी (योजना एवं परियोजना) श्री ए. के. सिंह एवं महाप्रबंधक (खनन/रेस्क्यू) श्री पी. के. चौधरी उपस्थित रहे। उन्होंने रेस्क्यू टीम की इस उपलब्धि के लिए सभी को बधाई एवं शुभकामनाएँ दी।

विदित हो कि वेकोलि की रेस्क्यू टीम ने वर्ष 2018 में भी आईएमआरसी में "मोस्ट एक्टिव रेस्क्यू टीम" का खिताब हासिल किया था।

आईएमआरसी 2022 में वेकोलि की ओर से श्री बी. शिवकुमार, मुख्य प्रबंधक (खनन), श्री दिनेश बिसेन, सुपरिंटेंडेंट (रेस्क्यू), श्री शेख मुजाहिद आजम, मुख्य प्रबंधक (खनन), श्री एम. विष्णु, सहायक प्रबंधक (खनन), श्री तेज बहादुर यादव, माइनिंग सरदार, श्री संतोष पाटले, ओवरमैन, श्री आशीष शेलारे, माइनिंग सरदार, श्री हरिचंद रायसोनिया, माइनिंग सरदार, श्री पुष्पराज विश्वकर्मा, माइनिंग सरदार एवं श्री राजेश पथे, माइनिंग सरदार, विजेता टीम में शामिल थे।

इको माइन टूरिज्म के लिए वेकोलि एवं डायरेक्टरेट ऑफ टूरिज्म के मध्य एमओयू

दिनांक 27.09.2022 को विश्व पर्यटन दिवस के अवसर पर इको माइन टूरिज्म को बढ़ावा देने के उद्देश्य से वेस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड एवं डायरेक्टरेट ऑफ टूरिज्म, महाराष्ट्र सरकार ने एमओयू पर हस्ताक्षर किए। इस समझौते के अनुसार वेकोलि के सावनेर भूमिगत खदान, गोंडेगांव खदान, अदासा खुली खदान, अदासा मंदिर तथा सावनेर के महात्मा गाँधी इको पार्क का पर्यटन सरलता से संभव हो सकेगा।

इस समझौते पर वेकोलि के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक श्री मनोज कुमार एवं डायरेक्टरेट ऑफ टूरिज्म के निदेशक श्री मिलिंद बोरीकर, आईएएस, ने हस्ताक्षर किए। यह एमओयू महाराष्ट्र के माननीय मंत्री (पर्यटन) श्री मंगलप्रभात लोढ़ा एवं पर्यटन मंत्रालय (महाराष्ट्र सरकार) के सहायक मुख्य सचिव श्री नितिन करीर की उपस्थिति में मुंबई में आयोजित विश्व पर्यटन दिवस-2022 के विशेष समारोह में किया गया।

इस अवसर पर वेकोलि के महाप्रबंधक (कार्मिक/प्रशासन) श्री पी. नरेंद्र कुमार, आरएसएम मुंबई (कोल इंडिया) श्री आनंद टेंभूर्णीकर उपस्थित थे।

वेस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड एवं डायरेक्टरेट ऑफ टूरिज्म, महाराष्ट्र सरकार का यह समझौता 5 साल के लिए लागू होगा। इस एमओयू के अंतर्गत पर्यटकों की बुकिंग का दायित्व डायरेक्टरेट ऑफ टूरिज्म एवं उनके द्वारा अधिकृत कार्यालयों का होगा। एक बार में 6 से 20 पर्यटकों के समूह को पर्यटन स्थल का भ्रमण कराया जाएगा।

इस समझौते से कोयला खनन के क्षेत्र में रुचि रखने वाले विद्यार्थियों तथा सामान्य जनमानस को खनन की प्रक्रिया, उसके विविध पहलू एवं उपयोग समझने में आसानी होगी।

सीएमपीएफ फंड को मजबूती देना और देश की कोयला जरूरतों को पूरा करना हमारी प्राथमिकता- श्री अनिल कुमार जैन

श्री अनिल कुमार जैन (आईएएस), कोयला सचिव, भारत सरकार एवं श्री प्रमोद अग्रवाल (आईएएस), अध्यक्ष, कोल इंडिया लिमिटेड ने दिनांक 16.08.2022 को वेस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड में पत्रकार वार्त्ता में पत्रकारों को संबोधित किया।

वार्त्ता के प्रारंभ में माननीय श्री अनिल कुमार जैन (आईएएस), कोयला सचिव, भारत सरकार ने कहा कि कोल कर्मचारियों की पेंशन योजना को सुदृढ, सशक्त और घाटे की भरपाई को दूर करने का निर्णय सीएमपीएफ की बैठक में लिया गया है। बैठक में सहमति बनी कि सीएमपीएफ फंड में सीएमपीएफ एक्ट के तहत वैधानिक रूप से वृद्धि की जाए।

इस अवसर पर श्री जैन ने कोयला आपूर्ति के बारे में कहा कि लगातार देश में ऊर्जा की खपत बढ़ती जा रही है, जिसे पूरा करना हमारी जिम्मेदारी है। उन्होंने विद्युत संयंत्रों को नियमित और पर्याप्त कोयला उपलब्ध करवाने का विश्वास व्यक्त किया। उन्होंने कोयला खदानों की नीलामी के संबंध में बताया कि इसके ई-ऑक्शन की प्रक्रिया को अपनाया गया है, जो पूर्णतः पारदर्शी है। आगे उन्होंने बताया कि देश की ऊर्जा की मांग को देखते हुए 2024-25 में कोल इंडिया लिमिटेड का एक बिलियन टन कोयला उत्पादन करने का लक्ष्य है।

इस अवसर पर कोल इंडिया लिमिटेड के अध्यक्ष, श्री प्रमोद अग्रवाल ने कहा कि विद्युत संयंत्रों को कोयला उपलब्ध कराना हमारी प्राथमिकता है। कोविड के दौरान देश में जहां कोयले का आयात बंद था, उस दौरान कोल इंडिया लिमिटेड एवं उसकी अनुषंगी कंपनियों ने देश में कोयले की मांग को भरपूर मात्रा में पूरा किया है। कोयला एक महत्वपूर्ण खनिज है और भविष्य में अन्य ऊर्जा स्रोतों की अपेक्षा इसकी मांग बनी रहेगी और देश की इस मांग की आपूर्ति को सुनिश्चित करना हमारा लक्ष्य है।

पत्रकार वार्त्ता के पश्चात श्री अनिल कुमार जैन और श्री प्रमोद अग्रवाल ने वेकोलि की समीक्षा बैठक ली। बैठक में श्री जैन ने बरसात के बाद कोयला उत्पादन और प्रेषण को गति देने के निर्देश दिए। बैठक में श्री प्रमोद अग्रवाल ने भी वेकोलि को निर्धारित लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए कहा।

इस अवसर पर कोल इंडिया के निदेशक (कार्मिक) श्री विनय कुमार रंजन, वेकोलि के सीएमडी श्री मनोज कुमार, निदेशक (कार्मिक) डॉ. संजय कुमार, निदेशक, तकनीकी (संचालन) श्री जे. पी. द्विवेदी, निदेशक तकनीकी (योजना एवं परियोजना) श्री ए. के. सिंह, कोल इंडिया लिमिटेड के कार्यकारी निदेशक एवं अध्यक्ष के तकनीकी सचिव श्री मनोज कुमार सिंह, सुश्री संतोष, डीडीजी, कोयला मंत्रालय, समस्त क्षेत्रीय महाप्रबंधक, विभागाध्यक्ष एवं वरिष्ठ अधिकारी गण प्रमुखता से उपस्थित रहे।

अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक एवं निदेशक गण द्वारा क्षेत्र का दौरा

सीएमडी श्री मनोज कुमार द्वारा कन्हान क्षेत्र की शारदा भूमिगत खदान का औचक निरीक्षण

वणी क्षेत्र के दौरे पर रहे निदेशक तकनीकी (संचालन) श्री जे. पी. द्विवेदी

निदेशक तकनीकी (योजना एवं परियोजना) श्री अनिल कुमार सिंह ने किया नागपुर क्षेत्र की खदानों का निरीक्षण

राजभाषा पखवाड़ा 2022

वेकोलि में राजभाषा पखवाड़ा संपन्न

'क' क्षेत्र में पाथाखेड़ा, 'ख' क्षेत्र में वणी पुरस्कृत

14 सितम्बर 2022 से प्रारम्भ राजभाषा हिंदी पखवाड़ा का 28 सितम्बर 2022 को समापन हुआ। समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह में मुख्य अतिथि, अध्यक्ष-सह- प्रबंध निदेशक श्री मनोज कुमार ने हिंदी में सर्वाधिक कार्य करने के लिए "क" क्षेत्र में पाथाखेड़ा और "ख" क्षेत्र में वणी को राजभाषा शील्ड प्रदान की। समापन समारोह में पखवाड़े के दौरान आयोजित सभी प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार दिए गए।

इस अवसर पर सीएमडी श्री मनोज कुमार ने अपने संबोधन में कहा कि हिन्दी एक सरल भाषा है और हमें इस भाषा को पूर्णतः अपनाना चाहिए। उन्होंने हिंदी भाषा के प्रसार के लिए अधिक प्रोत्साहन देने पर बल दिया। जीवन में मातृ भाषा के स्थान को महत्वपूर्ण बताते हुए उन्होंने हिंदी भाषा के साथ स्थानीय भाषाओं को अपनाने की भी बात कही। उन्होंने सभी से, दैनंदिन वार्तालाप के साथ ही कार्यालय के कामकाज में भी हिंदी भाषा का इस्तेमाल करने का आह्वान किया।

कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि निदेशक तकनीकी (संचालन) श्री जे. पी. द्विवेदी ने अपने संबोधन में राजभाषा पखवाड़े को नई शुरुआत बताते हुए आग्रह किया कि सभी हिंदी भाषा के लिए वर्ष भर समर्पित रहे। उन्होंने वर्तमान स्थिति का उल्लेख करते हुए कहा कि वेकोलि में हिंदी भाषा के व्यापक इस्तेमाल के लिए वातावरण अनुकूल है। भाषा में सरल शब्दों के प्रयोग पर बल देते हुए उन्होंने कर्मियों से अधिक से अधिक कार्य राजभाषा हिंदी में करने का आग्रह किया।

इस अवसर पर निदेशक तकनीकी (योजना एवं परियोजना) श्री ए. के. सिंह की विशेष उपस्थिति रही। उन्होंने सभी प्रतियोगिताओं के विजेताओं तथा प्रतिभागियों को अपनी शुभकामनाएँ दी।

समारोह के प्रारंभ में अतिथि गण ने माँ सरस्वती की वंदना की एवं महान क्रांतिकारी भगत सिंह की जयंती के निमित्त उनके चित्रों पर पुष्पांजलि अर्पित कर आदर व्यक्त किया। इसके उपरान्त महाप्रबंधक (कार्मिक/जनसंपर्क) एवं राजभाषा प्रमुख श्री पी. नरेन्द्र कुमार ने पुस्तक भेंट कर सभी अतिथियों का स्वागत किया। अपने स्वागत भाषण में उन्होंने बताया की पखवाड़े के सभी 15 दिन पर प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया था। इनमें टिप्पण एवं आलेखन, भाषण, स्व-रचित काव्य, स्लोगन, अंताक्षरी, प्रश्न मंच आदि की प्रतियोगिताएं आयोजित की गयी। साथ ही व्याख्यान एवं राजभाषा कार्यशाला का भी आयोजन किया गया। उन्होंने कंपनी में हिंदी के बढ़ते प्रचलन का जिक्र करते हुए हिंदी भाषा के प्रचार एवं प्रसार के उद्देश्य से लिए गए विविध कार्यों के बारे में अवगत कराया।

कंपनी स्तरीय स्व-रचित काव्य स्पर्धा के प्रथम और द्वितीय विजेताओं क्रमशः श्री बालचंद्र राम, नागपुर क्षेत्र और श्री अक्षय निगम, पेंच क्षेत्र, ने अपनी रचनाओं का पाठ किया, जिनका सभी ने भरपूर आनंद लिया। इस समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह में मुख्यालय तथा क्षेत्रों के कर्मी गण बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन एवं धन्यवाद ज्ञापन उप प्रबंधक (राजभाषा/जनसंपर्क) डॉ. मनोज कुमार ने किया।

अब वो बात नहीं रह गई

किसे लाना चलन में था, किसे हमें छोड़ आना था,
कहाँ कब क्या था अपनाना, कहाँ पर त्याग करना था,
सुहानी याद में बहकर, समय की धार कहती है,
कि अब वो बात नहीं रह गई, कि अब वो बात नहीं रह गई ॥1॥

किसी एक दिन मदर डे और फादर डे मनाते हैं,
मगर माँ बाप के चेहरों को पढ़ने में हकलाते हैं,
नसीहत दर किनारे कर, वरीयत दाँव लगाते हैं,
कि अब वो बात नहीं रह गई, कि अब वो बात नहीं रह गई ॥2॥

वो बचपन खुबसूरत था, दादी की कहानी सुनता था,
मिट्टी के घरौंदों में, जुड़ा परिवार पलता था,
कठिन कितनी भी हो बाधा, मिल जुलकर काम होता था,
बदलते दौर का छोटा-सा एक परिवार कहता है ..... क्या,
कि अब वो बात नहीं रह गई, कि अब वो बात नहीं रह गई ॥3॥

सघन कानन, कलित उपवन से धरा श्रृंगारित होती थी,
परिंदों की मधुर चहकों से सुबह और शाम होती थी,
ये माना ईंट और पत्थर के महल हमने बना डाले,
मगर गर्मी तपिश देकर यही पैगाम देती है,
कि अब वो बात नहीं रह गई, कि अब वो बात नहीं रह गई ॥4॥

जो शिक्षा मंदिर थे विद्यालय, अब अर्थालय बन गए,
तन रक्षक आरोग्य धाम, मुद्रा पूजन में रम गए,
मिलावट के सधे व्यापार, ठगी की थाल परोस रहे,
शरम से सर झुकाकर तब, मानवता रो-रो कहती है,
कि अब वो बात नहीं रह गई, कि अब वो बात नहीं रह गई ॥5॥

शैलेश कुमार लड्ढा
उप प्रबंधक (कार्मिक), कन्हान क्षेत्र

टूटती सांसों को प्राणवायु का इंतजार

देखते-देखते जंगल मिट गए, हरियाली गायब हो गई,
वो तो ये पृथ्वी माँ है, जो इतना सब कुछ सह गई,
ये टूटती सांसें और लड़खड़ाते कदम,
लगता है जिंदगी यहीं तक है हमदम.

ये लड़ाई कठिन है, ये वायरस निराला,
है हर कोई मुश्किल में, निकला दिवाला,
हर कहीं बेबसी का आलम है दिख रहा,
चारों तरफ चिताएं हिसाब कौन लिख रहा,
ये टूटती सांसें और ये मौत का मंजर,
लगता है कुदरत ने उठा लिया है अब खंजर,

खाली नहीं शमशान अस्पतालों में पड़ी लाशें,
पगडंडी और चौराहों पर ये टूटती सांसें,
कहीं माँ करती बिलाप, कि बेटा चला गया,
बेटियाँ रोती कहीं, पिता को कोरोना निगल गया,
लगी है छीना- झपटी और कोहराम मचा है,
माँ- बाप- बहिन- भाई में बस एक बचा है।

दवाइयाँ भी नकली पर दाम दस गुने,
नागपुर, जबलपुर, भोपाल क्या पुणे,
किसी ने जमीन बेची तो मकान किसी ने,
ढूंढा किसी ने आपदा में अवसर तो बेचा जमीर किसी ने,

टूटती सांसें और ऑक्सीजन का इंतजार हो रहा है,
पत्नी ऑक्सीजन में तो पति वेंटीलेटर पर सो रहा है,
अस्पतालों में नहीं ऑक्सीजन सिस्टम में नहीं जान,
क्या सांसद, क्या मिनिस्टर, डाक्टरों के निकले प्राण

न जाने ये कौन विधायक, सांसद कौन मिनिस्टर,
मजिस्ट्रेट और जज न जाने, कौन है किस की सिस्टर,
काल के गाल में इंसान, समाता जा रहा है,
फिर भी योजनाएं वर्षों की बनाता जा रहा है।

लूटने की कोशिश कल भी थी, आज भी जारी है,
लूटने वाले को क्या पता, कि अब उसकी ही बारी है,
अभी भी अस्पताल वाले शवों को बंधक बना रहे हैं,
जिनके पास खाने के लाले पड़े हैं, उनसे दस लाख मंगा रहे हैं।

देखते देखते जंगल मिट गए, हरियाली गायब हो गई,
वो तो ये धरती माँ है, जो इतना सब कुछ सह गई।

ए.बी. नायक
वरिष्ठ प्रबंधक (सर्वे),
वेकोलि, उमरेर क्षेत्र.

हम सबका अभिमान है हिंदी

आन है हिंदी, शान है हिंदी,
हम सबका अभिमान है हिंदी ।

सबको आती, सबको भाती,
भारत देश की, जान है हिंदी ।

इसी को बोलो, इसी में करो हर काम,
सहज सरल और आसान है हिंदी ।

जैसे लिखो वैसे पढ़ो, कठिनाई का नाम नहीं,
आसानी से आगे बढ़ो, बहुत ही सरल ज्ञान है हिंदी ।

इतनी आसाँ इतनी प्यारी, बोले इसको हर नर-नारी,
मजदूर हो या हो व्यापारी, सबके लिए वरदान है हिंदी ।

कश्मीर से कन्याकुमारी, सबको यह है जान से प्यारी,
हमें है गर्व इस पर, देशभक्ति की पहचान है हिंदी ।

अजमेर बरेली या हो मथुरा काशी, बोले इसको भारतवासी,
सभी धर्मों के काम ये आती, न हिंदु न मुसमान है हिंदी ।
रहीम कबीर जायसी निराला, क्या क्या इन्होंने काव्य रच डाला,
मुंशी माखन और परसाई, ऐसे हीरो की खान है हिंदी ।

ऊर्दू संस्कृत मराठी अंग्रेजी या अरबी, सबको हसमें मिक्स है कर दी,
हर भाषा के शब्द हैं इसमें, सबसे ऊंचा निशान है हिंदी ।

हर प्रांत की अपनी भाषा, हिंदी है देश की राजभाषा,
रंग बिरंगे सब झण्डों में, सबसे ऊंचा निशान है हिंदी ।

ज्ञान है हिंदी विज्ञान है हिंदी, विश्व में हमारी पहचान है हिंदी,
गर जग में नाम है करना, उसके लिए खुला मैदान है हिंदी ।

फिरोज अहमद
वरिष्ठ लिपिक,
कन्हान क्षेत्र.

काला पत्थर या सोना

कोयले को हम खानों से पत्थर समझ ले आते हैं।
तभी कोल वीरों के चूल्हे जल पाते हैं ॥
खून पसीने की है ये कमाई,
काले पत्थर से कैसे रंग लाई ।
दिन रातों में कामों का पता न चल पाता है ।
तपती गर्मी, धरती जलती,
पत्थर की ये कैसी गर्मी,
तभी तो बिजली बन पाती है ।
बिजली बन पाती है ॥
कोयले को हम खानों से पत्थर समझ ले आते हैं,
तभी कोल वीरों के चूल्हे जल पाते हैं ॥

जब इस काम आया, काम तब समझ आया।
मेहनत करने का अर्थ समझ पाया ॥
समय से आना, समय से जाना,
नौकरी का मतलब समझ आया ॥
बैठा कोई इंतजार में तब परिवार समझ में आया।
लौट के घर आने वाले, मुझे इंतजार समझ आया ॥
कोयले को हम खानों से, पत्थर समझ ले आते हैं ।
तभी कोल वीरों के चूल्हे जल पाते हैं ॥

ये शान ये आन दुनिया में तेरी शान,
मुझसे मिली तुझे ये इज्जत और दौलत,
तभी बनी रहेगी तेरी सौहरत ॥
भूल न जाना कंपनी के इरादें,
कोई भी हो तेरी मुरादें,
पर जरूरत है तेरी मुझे बढ़ाने में,
तब रहेगा मेरा नाम,
जब करेगा तू अपना काम..... अपना काम

कोयले की हम खानों से .....
हम ना पढ़े तो क्या हुआ,
बच्चे अब पढ़ जाएंगे,
कोई डाक्टर तो कोई इंजीनियर जरूर बन जाएंगे।
तेरी मेहनत का फल, बच्चे देकर जाएंगे....
बच्चे देकर जाएंगे ॥

तब मत रोना, तब कुछ न कहना,
ये काला पत्थर नहीं, ये तो काला सोना था ।
याद रहे सब नियम, मौत से बच पाने के,
तेरा जीवन, तेरा नहीं, आए तो हम इस धरती पे हैं,
कोल इंडिया तुझे बढ़ाने से ..... तुझे बढ़ाने से ।

कोयले को हम खानों से पत्थर समझ ले आते हैं,
तभी कोलवीरों के चूल्हे जल पाते हैं ॥

सुरेश सिंह राजपूत
ई.पी. फिटर ग्रेड- बी,
केंद्रीय कर्मशाला, तडाली.

बचपन में पुनर्जन्म

किस्सा नहीं, कहानी सुनाऊँ,
चलो आपको छगन के बचपन की सैर कराऊँ,

ये दौर उस जमाने का,
खेलने, कूदने और खाने का,
न सोच बड़ी थी, न कद बड़े थे,
नाटक फिल्मों का तो वो शौक सटा था,
जो देखते लगता, ये अपने जीवन में ही कहीं घटा था,
छोटी छोटी बातों को तो, किस्सों में बदला जाता था,
आधा क्या, पूरा-पूरा अफसाना गढ़ा जाता था,

ऐसी लंबी लंबी ढींगें कि क्या बताऊँ,
चलो आपको छगन के बचपन की सैर कराऊँ,

होली के हफ्तों पहले से, होली की शुमारी होती थी,
रंगों के बिना ही हाथ में, पानी की पिचकारी होती थी,
खूब धूमधाम खूब होली के तमाशे बने हैं,
इस कहानी में भी एक विलेन और
तीन दब्बू बच्चे के फसाने हैं,
छगन दब्बुओं का जबरन नेता, हर खेल में हुक्म जताता था,
साथ ही अपनी नई-नई मनगढंत कहानी को चिपकाता था,

परेशान दब्बुओं ने ठानी,
उसकी हेकड़ी ठीक लगानी,
जैसे हो, उसकी ऐसी-तैसी करनी ।
ऊंगली सीधी न सही, टेढ़ी ही करनी है ।

छगन भाई, छगन भाई, हमें भी खेल खिलाओ,
हम भी आखिर दोस्त हैं, कुछ रहम तो खाओ ।
मैंने गर खिलाया बदले, तुमको भी कुछ खिलाना होगा,
जब तक मेरी इच्छा है, फिल्डिंग में लग जाना होगा ।

जो तुम कहा छगन, वो हम खिलाएं,
विश्वास न हो तो चलो साथ लाए पेड़ा साथ में गठकाएं,
स्वाभविक है मुँह में पानी आना,
पेड़े की चाह में जीभ लपलपाना,
छगन ने भी अपना हाथ बढ़ाया,
एक पेड़े का अंश मुँह में दबाया ।
आह कितना स्वाद है आत्मा तृप्त हो रही है,
पर थोड़ा कड़वा है, शायद बासी हो रही है ।
पूछना भी तो उचित न होगा, लगता कोई नया स्वाद है,
कहेंगे मुझे ही मुर्ख, खाने की नहीं इसकी औकात है ।
छगन ने आव देखा न ताव,
पूरे के पूरे डब्बे में लगाया दांव,
कुछ देर में छगन का सिर चकराया,
अंतर्रात्मा से रावण टकराया,
फिर जो छूटी उसकी कहकही,
सारा मंजर ही बदल गया,
किसी ने यहाँ तक कहा छगन तो अब गया ।

फिर क्या- ऐसी ऐसी हरकतें की उसने क्या बताऊँ,
चलो आपको छगन के बचपन की सैर कराऊँ ।

जो हँसा छगन रूक ही नहीं रहा था,
घर भागते भागते पहुँचा अट्ठाहस कर रहा था ।
जिसने जो भी कहा सिर्फ हँसे जा रहा था,
घर पहुंचकर तो रावण सा गुर्रा रहा था ।
अम्मा ने पूछा- क्या कर के आया है,
हँस के हँस के लाल हो आया है,
कैसी कैसी अजीबो हरकत कर रहा है,
बिन बात के भी तू क्यों हँस रहा है ।
अनदेखा कर छगन ने नापी फर्लांग,
और बिस्तर में लगाई छलांग,
घड़ी के पेंडुलम की तरह एक छोर से दूसरे छोर,
लगा उसे जैसे क्षितिज से आकाश की ओर,
हँसते लुढ़कते घंटों तक अभ्यस्त हुआ,
जाने कब तक लुढ़कता रहा सुस्त हुआ ।
शाम को पिताजी की मार से निंद्रा भंग हुई,
छगन सच बता कहीं आज तेरी तो न होली रंग भई.
नहीं नहीं पिताजी मैंने तो कुछ भी न किया,
बहुत देर में उसका ताथा ठनका,
छगन को फिर माजरा समझा,
उसे कुछ कुछ याद आने लगा,
दब्बुओं के पेड़े का हरा कलर और कड़वे स्वाद से सर चकराने लगा ।
अरे वो पेड़ा नहीं, लगता है भांग का पेड़ा था,
जिसे लपेट लपेट कर दुष्टों ने मेरे मुँह में ठेला था ।
उन दब्बुओं की ये हिमाकत,
छगन से करते वो बगावत ।
अब उन दब्बुओं को तो ऐसा मजा चखाऊँ,
चलो आपको छगन के बचपन की सैर कराऊँ ।

छगन ने भी बदले की युक्ति लगाई,
दूसरे दिन पुनर्जन्म की एक पिक्चर चिपकाई,
अरे कल पिक्चर में तो हीरो का पुनर्जन्म निकला,
हीरो का खोया पड़ोसी ही तो उसका पिछला जन्म निकला,
मुझे भी मेरे पुनर्जन्म के माँ-बाप पास के गाँव में ही दिखे हैं,
दो भाई भी तो कालेज जाते समय, बैलगाड़ी में ही मिले हैं ।

अरे! हकीकत ये है मेरे माँ बाप अब मेरे नहीं लगते,
तुम्हारे तो देखकर पक्का है, अभी वाले असली नहीं लगते ।
और न जाने क्या-क्या पाठ पढ़ाए,
बच्चे तो कौतुहल से सब सच जान पाए ।

फिर क्या तीन दब्बुओं ने देखी अपने ही पुनर्जन्म की कहानी,
आधी-अधूरी छगन की जबानी,
ऐसा उनको जान पड़ा,
उनका ही पुनर्जन्म हो चला,
उनके माता-पिता तो उन्हें अब अनजाने लगे,
अपने पुनर्जन्म की खोज में घर छोड़ निकल भगे,
पास के गांव का बंशी एक को अपना पिता जान पड़ा,
दूजे को रास्ते का सुंदर पहलवान अपना संतान लगा,
तीजा भी मिलान कर आया पुनर्जन्म के किरदार से,
छगन के बताए पुनर्जन्म के आधार से,

और वापस लौटे वर्तमान माता पिता से लेने बिदाई,
जहाँ घरों में तीनों के गुमशुदगी की हो रही थी ढुंढाई,
जब सामना हुआ पुनर्जन्म और वास्तविकता का,
बेटे के बाप से और जन्म देने वाली ममता का,
एक ने डपटकर पूछा कहाँ थे तुम तीनों महारथी,
खोज-खोज के थक गए हम सभी सारथी,
डरकर एक ने जो कहानी बताई,
अपने पुनर्जन्म के मात-पिता की पूरी गुत्थी सुलझाई ।

इतना सुनना था कि अम्मा ने बढ़िया चप्पल बुलाई,
मार मार के तीनों के पुनर्जन्म की नैया पार लगाई,
सारा नशा हुआ चूर, एक बात दब्बुओं को समझ आई,
यही असली माँ-बाप है, कोई पुनर्जन्म नहीं है भाई,
सारी स्मृतियाँ तो जाने कहाँ धूमिल हुईं,
एक पल में ही जैसे छूमंतर हुईं,
पर सबको याद आया एक केरेक्टर,
शकुनी की तरह महाभारत का मेंटर,
अपना मेंटर शकुनी तो छगन है,
जो दिखा सकता बचपन में पुनर्जन्म है ।

गिरीबहादुर थापा
उप प्रबंधक (कार्मिक/प्रशासन),
वेकोलि, मुख्यालय, नागपुर.

दोस्ती

एक दिल दो जान होती है दोस्ती,
एक नई पहल की शुरूवात होती है दोस्ती,
दिल से दिल की राह होती है दोस्ती,
हर एक दोस्त की अपनी पहचान होती है दोस्ती,
दोस्ती जिंदगी का एक हसीन ख्वाब होती है दोस्ती,
दोस्तों में जीने की चाहत होनी चाहिए,
गम खुद ही दोस्ती में बदल जाएंगे,
दोस्तों में सिर्फ मुस्कुराने की आदत होनी चाहिए,
प्रेम की डोरी से बंधा, एक विश्वास है दोस्ती,

अगर दोस्ती का रिश्ता न होता तो
इंसान कभी यकीन नहीं करता कि
अजनबी लोग अपनों से कितने प्यारे होते हैं,
दुनिया का सबसे कीमती नायाब तोहफा है दोस्ती,
जो कीमत से नहीं, किस्मत से मिलता है,
दुनिया के सारे रिश्ते में खास एहसास है, दोस्ती,
थमती नहीं जिंदगी कभी किसी के बिना,
लेकिन यह गुजरती भी नहीं दोस्तों के बिना,
दोस्तों को सिर्फ समय की ही नहीं,
समझ की जरूरत होती है दोस्ती में,
कुछ रिश्तों में इंसान अच्छा लगता है,
और कुछ इंसानों से रिश्ता दोस्ती का अच्छा लगता है,
धीरे-धीरे इंसानों की उम्र कट जाती है,
जीवन यादों की पुस्तक बन जाती है,
कभी किसी की याद बहुत तड़पाती है,
और कभी यादों के सहारे जिंदगी कट जाती है,
किनारों पे सागर के खजाने नहीं आते,
फिर जीवन में दोस्त पुराने नहीं आते,
जी लो इन पलों को हँस के दोस्तों के साथ,
फिर लौट कर दोस्ती के जमाने नहीं आते,
बच्चे वसीहत पूछते हैं,
रिश्ते हैसियत पूछते हैं,
वो सिर्फ दोस्त ही नहीं, जो आपकी खैरियत पूछते हैं,
दोस्तों से रिश्ता रखा करो जनाब,
आपकी तबियत मस्त रहेगी,
क्योंकि ये वो हकीम है, जो (अल्फाज) शब्दों से इलाज,
कर दिया करते हैं,
खींचकर उतार देते हैं, आपकी उम्र की चादर,
ये कम्बख्त दोस्त
आपको कभी बुढ़ा नहीं होने देते,
एक चाहत होती है, दोस्तों के साथ जीने की,
वर्ना पता तो हमें भी है, मरना अकेले ही है,
क्यूँ मुश्किल में साथ देते हैं दोस्त,
क्यूँ गम को बॉट लेते हैं दोस्त,
न रिश्ता खून का ..... न रिवाजों से बंधा है,
फिर भी जीवन भर साथ देते हैं दोस्त,
कभी श्रीकृष्ण, सुदामा, मरदाना, गुरूनानक का रूप है दोस्ती,
तो कभी पृथ्वीराज... चंदवरदाई, मोदी- अमित शाह में झलकती है दोस्ती,
गुलाब कहीं भी रहे महकता जरूर है,
एक अच्छा दोस्त कहीं भी रहे, याद आता जरूर है,
प्रेम से रहो दोस्तों, जरा-सी बात से रूठा नहीं करते,
क्योंकि पत्ते वही सुंदर दिखते हैं,
जो पेड़ की डाल से टूटा नहीं करते.

दिलीप रामलीवार नारायण राव
ई.पी. फिटर, केंद्रीय कार्यशाला, तड़ाली

वेस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड

एक मिनी रत्न कंपनी

कोल इण्डिया
Coal India

वेस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड

एक मिनी रत्न कंपनी